Amity University
Uttar Pradesh

Savita Mehta
Vice President, Communications

Amity University Campus
Block E-II, 2nd Floor
Sector – 125, Noida
Ph: 0120 - 4392620
Fax: 0120-4392622

प्रेस विज्ञप्ति
अक्टूबर 04,2016

एमिटी विश्वविद्यालय में प्रथम हिंदी मूट कोर्ट का शुभारंभ

एमिटी लॉ स्कूल सेंटर टू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अपराधिक कानून आधारित त्रिदिवसीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आज एमिटी विश्वविद्यालय, सैकटर 125 नोएडा में शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोरंजन कर श्री मदन चौहान, सूक्ष्म और लघु उद्योग मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह, एमिटी लॉ स्कूल के एक्टींग चेयरमैन डा डी के बंदोपाध्याय, एमिटी लॉ स्कूल सेंटर टू के एडिशनल निदेशक डा आदित्य तोमर ने पारम्परिक दीप जलाकर किया। इस प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे नेशनल लॉ विश्वविद्यालय उड़ीसा, लखनऊ विश्वविद्यालय, केआईआईटी विश्वविद्यालय भुनेश्वर, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नेशनल लॉ विश्वविद्यालय जोधपुर के 30 छात्रों ने हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोरंजन कर श्री मदन चौहान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी मूट कोर्ट एक ऐसा प्रयास है जिसकी जरूरत देश को बहुत है। हर देश अपने हर प्रकार के कार्य एंव अनुसांधन को अपनी आम भाषा में करता है और यही कारण है कि वह देश उन्नति करता है। हिंदी में आज भी ऐसे कई शब्द है जिनका अर्थ अंग्रेजी के माध्यम से नही समझा जा सकता है। मूल भाषा से जो संतुष्टि मिलती है, जो किसी अन्य भाषा में मिलना आसान नहीं है। पहले के समय में हिंदी भाषा का अपना एक अलग स्थान होता था पर अंग्रेजो के आने के बाद देश में अंग्रेजी को अधिक

महत्व प्राप्त होने लगा। अंग्रेजी भाषा को महत्व दिलाने के पीछे हम सभी का हाथ है क्योंकि हमने अंग्रेजी भाषा को अपनाया है। लोगो के बीच अंग्रेजी भाषा एक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुका है उनका मानना है कि हर अंग्रेजी भाषा भोलने वाला व्यक्ति बेहद समझदार है पर ऐसा नहीं है। कोर्ट में अगर फैसले और कार्यवाही हिंदी में हो तो समस्या को विस्तार में सभी सही प्रकार से समझ सकते है। अक्सर भारत में रहने वाले व्यक्ति दूसरे देश जाकर नौकरी एंव कार्य करते है उसका कारण है कि वह बचपन से अंग्रेजी को ही अपना मान समान समझते है। अगर हिंदी भाषा के महत्व को समझे तो कभी भी वह अपनी कला एंव ज्ञान को किसी अन्य देश के लिए प्रयोग नहीं करेगे।

सूक्ष्म और लघु उद्योग मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि वह एमिटी एक पहला संस्थान है जिसने मूट कोर्ट को हिंदी में कर के बहुत बड़ा काम किया है। मुझे गर्व है कि मै आज इस कार्य में एमिटी का हिस्सा बना हूं। उन्होने यह भी कहा कि इस देश के बड़े अफसर, जज या आईएस 80 प्रतिशत सरकारी स्कूल के पढ़े होते और सरकारी स्कूल में पढ़ कर वह किसी से पीछे नहीं है। विकास एंव ज्ञान दोनो भाषा के लिए अवरोध नहीं, जपान चीन, यूएसए आदी देश भी उन्नति के राह पर है क्योकि उनके लिए उनकी आम भाषा बेहद जरूरी है। अगर किसी भी देश को खत्म करना हो तो उस देश की संस्कृति, भाषा को खत्म कर दे इससे वह देश भी समाप्त हो जाऐगा। पूरे देश में 60 लाख केस विचाराधीन है और 70,000 केस सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन क्योकि हम जो कहना चाहते है वह सही प्रकार से कह एंव कर नहीं सकते है।

एमिटी लॉ स्कूल के एक्टींग चेयरमैन डा डी के बंदोपाध्या ने सबोधित करते हुए कहा कि प्रथम एमिटी हिंदी मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2016 एक ऐसा मंच है जो छात्रों को अपराधिक कानून के मामलों में और हिंदी भाषा के प्रयोग में संवेदनशील बनाएगा। हमारा देश अपनी परंपरा और संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस तरह हिंदी भाषा को भी अच्छी तरह से संरक्षित किया गया है और समय के साथ साथ विकसित किया गया है। लेकिन अब इस प्राचीन भाषा की रक्षा करने की जरूरत है। न्यायालयों में मामलों के लंबित

रहने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अगर हूए अगर हम भारत में बढ़ते आपराधिक मामलों पर नज़र डालें तो यह मुद्दा ध्यान देने योग्य है। एमिटी लॉ स्कूल पहले भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करवाता है जिनसे छात्रों को बहुत कुछ सीखने समझने को मिलता है। ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों में राष्ट्रभावना विकसित तो होती ही है साथ ही मस्तिष्क का भी विकास होता है। इस अवसर पर पुस्तक विमोचन किया गया।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे आंकक्षा सहगल 9582329471